न्यूज डायरी

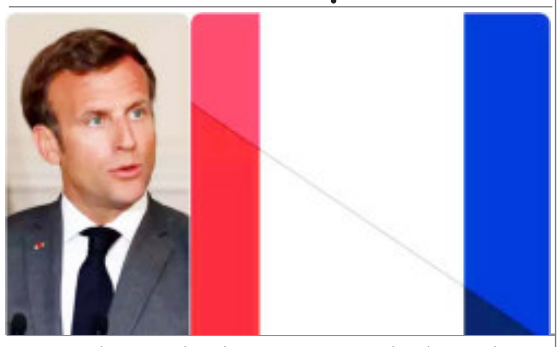

फ्रांस ने चुपके से बदला अपने देश के झंडे का रंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रो ने देश के झंडे के नीले रंग में बदलाव कर दिया है। झंडे में पहले से मौजूद नीले रंग को नेवी ब्लू में बदल दिया गया है। यह रंग 1976 से पहले राष्ट्रीय ध्वज का हिस्सा होता था। एलिसी पैलेस को सुशोभित करने वाले झंडे के नीले रंग का परिवर्तन पहली बार एक साल पहले किया गया था, लेकिन काफी हद तक किसी का ध्यान नहीं गया। इस संबंध मे देश को जानकारी नहीं देने को लेकर उनकी आलोचना हो रही है। इससे पहले फ्रांस के नेशनल फ्लेग का में नीला रंग यूरोपीय यूनियक के झंडे वाले नीले रंग से मेल खाता था। 1976 में राष्ट्रपति वालेरी गिस्कार्ड डीस्टाइंग ने यह रंग तय किया था। प्रेसिडेंसी की तरफ से कहा गया है कि द प्रेसिडेंट ऑफ रिपब्लिक ने नेवी ब्लू कलर को तिरंगे झंडे के लिए चुना है। यह झंडा पर एलिसी पैलेस पर लगाया गया है। इस रंग को फ्रांसीसी क्रांति का प्रतीक बताया गया है। हालांकि, सरकार के भीतर ही नए रंग को लेकर अलग–अलग राय थी।

कंगाली और भुखमरी के कगार पर पहुंचे करोड़ों लोग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयार्क। दुनिया के करीब साढ़े चार करोड़ लोग अकाल के मुहाने पर हैं। इसकी जानकारी देते हुए विश्व खाद्य कार्यक्रम ने आगाह किया है कि 43 देशों में इस तरह की स्थिति है। डब्ल्यूएफपी के मुताबिक दुनिया में करोड़ों लोगों की हालत इस कदर खराब है कि उन्हें पेट भरने लायक दो वक्त का भोजन नहीं मिल पा रहा है। हालात लगातार बद से बदतर हो रहे हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति में संगठन ने कहा है कि वर्ष वर्ष 2019 में ये संख्या दो करोड़ 70 लाख थी जो मौजूदा वर्ष की शुरुआत में 4 करोड़ 20 लाख हो गई है। संगठन के मुताबिक भुखमरी के शिकार लोगों की संख्ख्या में सबसे अधिक तेजी बुरुंडी, कन्या, अंगोला, सोमालिया, हेती, इथियोपिया और अफगानिस्तान में आई है। संगठन के कार्यकारी निदेशक डेविड बीजली ने कहा है कि करोड़ों लोगों के सामने इस तरह की समस्या आई है।

जहरीली हवा से घटी औसत उम्र, खतरे की घंटी के बाद भी नहीं जागी दुनिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दुनियाभर में वायु प्रदूषण की समस्या एक विकराल रूप अख्तियार कर चुकी है। दुनिया के करीब 91 फीसद आबादी ऐसी हवा में सांस लेने को मजबूर है, जो उसके स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। भारत में भी यह एक गंभीर समस्या का रूप ग्रहण कर चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी वायु प्रदूषण को लेकर खतरे की घंटी बजा दी है। संगठन ने वायु प्रदूषण को हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाला सबसे प्रमुख पर्यावरण संबंधी खतरा बताया है। हाल में वायु प्रदूषण को लेकर संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यूएनइपी की चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। आइए जानते हैं इस रिपोर्ट के बारे में? पर्यावरणविद विजय बघेल का कहना है कि भारत ही नहीं दुनिया के अधिकांश विकसित और विकासशील मुल्क वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रहे हैं।

जो बाइडन, शिनजियांग तिब्बत–हांगकांग के लिए चिंतित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शिनजियांग, तिब्बत, हांगकांग के लिए चिंता प्रकट की है। बाइडन और राष्ट्रपति शी चिनपिंग ने तिब्बत, हांगकांग और शिनजियांग को लेकर बातचीत की। व्हाइट हाउस के एक बयान में कहा गया कि तीन घंटे से अधिक समय की इस बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति ने शिनजियांग, तिब्बत और हांगकांग में चीनी रूख के साथ–साथ मानवाधिकारों को लेकर भी चिंता प्रकट की है। वहीं, चीन लगातार धमकी देने से बाज नहीं आ रहा है। चीन की तरफ से साफ कहा गया है कि अगर ताइवान की आजादी चाहने वालों ने रेड लाइन क्रॉस की तो चीन बड़े कदम उठाने को लेकर बाध्य होगा। इसके साथ ही व्हाइट हाउस की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया है कि अमेरिका, ताइवान से संबंधित वन चाइना नीति के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत–पाकिस्तान सीमा के पास यात्रा ना करें

चेतावनी

अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान में रह रहे अपने नागरिकों के लिए चेतावनी जारी की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान में रह रहे अपने नागरिकों के लिए चेतावनी जारी की है। अमेरिका ने दोनों देशों के लिए दूसरे और तीसरे स्तर का यात्रा परामर्श जारी किया है। बाइडन प्रशासन ने आतंकवाद और सांप्रदायिक हिंसा का हवाला दते हुए अमेरिकी नागरिकों से पाकिस्तान की यात्रा करने पर पुनर्विचार करने और अपराध तथा आतंकवाद का हवाला देते हुए भारत जाने वालों से सावधानी बरतने को कहा है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने भारत के लिए एक परामर्श जारी करते हुए अमेरिकी नागरिकों से आतंकवादी खतरों तथा नागरिक असंतोष के चलते जम्मू–कश्मीर और सशस्त्र संघर्ष की आशंका के कारण भारत–पाकिस्तान सीमा के 10 किलोमीटर के दायरे में यात्रा ना करने का आग्रह किया है। परामर्श में कहा गया, 'भारतीय अधिकारियों ने बताया कि बलात्कार, अपराधों में से एक है। यौन उत्पीड़न जैसे, हिंसक अपराध भी पर्यटन स्थलों तथा अन्य स्थानों पर सामने आए हैं।'

नियंत्रण रेखा के आसपास के इलाकों में ना जाने को कहाः परामर्श में कहा गया है कि आतंकवादी मामूली या बिना किसी चेतावनी के पर्यटन स्थलों, परिवहन अड्डों, बाजारध्मॉल और सरकारी संस्थानों पर हमला कर सकते हैं। परामर्श में कहा गया कि अमेरिका सरकार के पास पश्चिम बंगाल के पश्चिमी हिस्से, पूर्वी महाराष्ट्र और उत्तरी तेलंगाना के ग्रामीण क्षेत्रों में अमेरिकी नागरिकों को आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने की सीमित क्षमता है क्योंकि अमेरिकी सरकार के कर्मचारियों को इन क्षेत्रों की यात्रा करने के लिए विशेष अनुमति लेनी पड़ती है।

विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के लिए जारी परामर्श में अमेरिकी नागरिकों से आतंकवादी हमलों तथा अपहरण के खतरे का हवाला देते हुए बलूचिस्तान प्रांत और खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) प्रांत की यात्रा ना करने का आग्रह किया, जिसमें पूर्व संघ प्रशासित कबायली क्षेत्र (एफएटीए) भी शामिल है। साथ ही, सशस्त्र संघर्ष की आशंका के चलते नियंत्रण रेखा के आसपास के इलाकों में ना जाने को भी कहा है। परामर्श में कहा गया, 'आतंकवादी संगठन अब भी पाकिस्तान में हमलों की योजना बना रहे हैं। आतंकवाद के स्थानीय इतिहास और चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंसा की वैचारिक आकांक्षाओं के कारण असैन्यों के साथ–साथ स्थानीय सैन्य तथा पुलिस लक्ष्यों पर भी अंधाधुंध हमले किए गए हैं। आतंकवादी मामूली या बिना किसी चेतावनी के परिवहन अड्डों, बाजार, मॉल, सैन्य संस्थानों, स्कूल, अस्पतालों, हवाई अड्डों, विश्वविद्यालयों, पर्यटन स्थलों, धार्मिक स्थलों और सरकारी संस्थानों पर हमला कर सकते हैं।' पाकिस्तान के लिए जारी परामर्श में कहा गया कि आतंकवादियों ने अतीत में अमेरिकी राजनयिक और राजनयिक संस्थानों को भी निशाना बनाया है। परामर्श में कहा गया कि 2014 के बाद से पाकिस्तान के सुरक्षा माहौल में सुधार हुआ है, जब से पाकिस्तानी सुरक्षा बल आतंकवाद रोधी अभियान चला रहे हैं।

इराक और दुबई में पला–बढ़ा, फिर ब्रिटेन आकर बना ईसाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। लीवरपूल में अस्पताल के बाहर टैक्सी में धमाका करने वाले की पहचान हो गई है। 32 साल के इमाद जमील अल–स्वीलमीन ने कार के भीतर ही खुद को उड़ा लिया। अभी तक की जांच बताती है कि इमाद ने 8 साल पहले मिडल ईस्ट से यूके आने पर ईसाई धर्म अपना लिया था।

डीड के जरिए उसने अपना नाम बदलकर एन्जो अलमेनी कर लिया। ब्रिटिश मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, उसने ऐसा असाइलम की अप्लिकेशन में खुद को और वेस्टर्न और कम मुस्लिम दिखाने की नीयत से किया। इमाद की मां ईराक से थीं और रिपोर्ट्स के मुताबिक उसकी परवरिश दुबई में हुई। यह भी दावा है कि इमाद ने अपने दोस्तों को बताया था कि वह सीरिया से आया है।

हालांकि उसके जॉर्डन का नागरिक होने की पुष्टि हो चुकी है। डेली मेल ने उन क्रिश्चन वॉलंटियर्स से बात की जिन्होंने यूके आने पर इमाद को अपने पास रखा। मैल्कम हिचकॉट और उनकी पत्नी ने अखबार से कहा, वह अगस्त 2015 में कैथेड्रल आया था और कन्वर्ट होना चाहता था। उसने अल्फा कोर्स लिया और नवंबर में पूरा कर लिया। फिर उसने इस्ग्लाम से ईसाई धर्म में परिवर्तन किया और मार्च 2017 तक ईसाई के रूप में उसकी पुष्टि हो चुकी थी।

अब स्पेन में मिले विशाल डायनासोर के 30 अंड़े

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रसेल्स। आर्जेंटीना के बाद अब यूरोपीय देश स्पेन में विशालकाय डायनासोर टाइटनोसौर के एक घोसले से 30 अंडे सुरक्षित अवस्था मिले हैं। पुरातत्वविदों ने इन अंडों को उत्तरी स्पेन के लोआरे खुदाई स्थल से दो टन चट्टान से निकाला है। माना जा रहा है कि अभी 70 और अंडे पत्थर के नीचे दबे हो सकते हैं। टाइटनोसौर लंबी गर्दन वाले डायनासोर होते थे जो करीब 6.6 करोड़ साल पहले खत्म हो गए थे। ये अंडे सितंबर महीने में मिले थे और अब इनका ऐलान किया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये घोसले टाइटनोसौर के थे जिसकी लंबी गर्दन और विशाल पूंछ होती थी। इसकी पूंछ 66 फुट तक हो सकती थी।

मिस्र में आई जहरीले बिच्छुओं की बाढ़ से मची हाहाकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

डॉक्टरों की छुट्टियों को रद कर दिया गया

काहिरा। मिस्र के दक्षिणी अस्वान इलाके में शुक्रवार को आए तूफान और भारी बारिश से रेगिस्तान में छिपे जहरीले बिच्छुओं बाढ़ सी आ गई है। घरों और सड़कों पर हर जगह बस बिच्छू ही बिच्छू नजर आ रहे हैं। ये बिच्छू इतने जानलेवा हैं कि डंक मारने के 1 घंटे के अंदर इंसानों की मौत हो जाती है। इसकी चपेट में आने से अब तक 3 लोगों की मौत हो गई है और सैकड़ों लोग अस्पताल पहुंच गए हैं। कई सांप भी बिल में पानी घुस जाने के बाद बाहर निकल आए हैं जिससे परेशानी और बढ़ गई है।

मिस्र स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक हर साल अस्वान इलाके में एक इंच बारिश होती है लेकिन इस साल असामान्य तरीके से भारी बारिश हो गई और बर्फ भी गिरी है। बिच्छू आमतौर पर दिन में दरार और चट्टानों के नीचे छिपे होते हैं और रात के समय ये निकलते हैं। ये रात में छोटी छिपकली और कीड़ों का शिकार करते हैं। अभी तक मृतकों के बारे में कोई भी डिटेल नहीं सामने आया है।

मिस्र में बड़ी तादाद में जानलेवा अरबी नस्ल के बिच्छू पाए जाते हैं और इन्हें दुनिया में सबसे खतरनाक माना जाता है। इन बिच्छुओं के डंक मारने पर तत्काल तेज दर्द शुरू हो जाता है, सूजन और चकत्ते आ जाते हैं। अगर डंक मारने के 1 घंटे के भीतर इलाज नहीं किया जाता है तो इंसान की मौत हो जाती है। मिस्र के बिच्छुओं का रंग पीला होता है और पूंछ काफी मोटी तथा हल्की काली होती है। इस महासंकट को देखते हुए डॉक्टरों की छुट्टियों को रद कर दिया गया है।

मिस्र के स्वास्थ्य मंत्रालय के एक प्रतिनिधि ने बताया कि बिच्छुओं के काटने के बाद 89 लोगों को अस्वान यूनिवर्सिटी के अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। यही नहीं सैकड़ों लोगों का शहर के अन्य अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

आसमान में पूरे महीने होगी सितारों की बारिश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अंतरिक्षप्रेमियों के लिए यह पूरा ही हफ्ता बहुत ही शानदार होने जा रहा है। गत 6 नवंबर को शुरू हुई उल्कापिंडों की बारिश 16 और 17 नवंबर को अपने पूरे शबाब पर होने जा रही है। यही नहीं उल्कापिंडों की यह बारिश 30 नवंबर तक जारी रहेगी। वैज्ञानिकों के मुताबिक हमारी धरती 17 नवंबर को उल्ध्कापिंडों के सबसे घने हिस्से से गुजरने जा रही है, इस दौरान आकाश में नजारा दिल थाम देने वाला होगा। ऐस्ट्रोनॉमर्स और स्काईवॉचर्स के लिए 17 नवंबर की रात से लेकर 19 नवंबर तक आसमान का नजारा दिल थाम देने वाला होगा। दरअसल, इस महीने दो–दो Meteor Shower यानी उल्कापिंडों की बारिश होनी है जिसमें से एक Leonid Meteor Shower इन दिनों होने वाला है। आसमान से टूटकर गिरते तारे जो अद्भुत नजारे बनाने वाले हैं, उन्हें लेकर ऐस्ट्रोनॉमर्स बेहद उत्साहित हैं। कई बार एक घंटे में सैकड़ों तारे देखे जा सकते हैं। यह कॉमेट सूरज का एक चक्कर लगाने में 33 साल लेता है।